P372

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 21 मई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 175
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

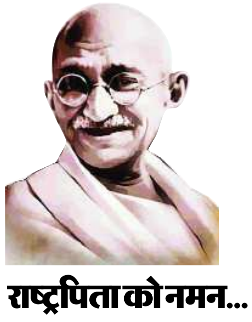

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर में तैयार हो रहा ईको फ्रेंडली घर

पेज-2

'प्रीतम एंड पेड्रो' का प्रीमियर 3 जुलाई से

पेज-5

गर्मी से हल्की राहत : दो दिनों में 3 डिग्री लुढ़का

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- 'विदेश से गैंग चला रहे 10 गैंगस्टर्स के पासपोर्ट करें', दिल्ली पुलिस की विदेश मंत्रालय से मांग
- यूपी : संभल के रहटोल और बराही में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम, भारी पुलिस तैनात
- गाजियाबाद : पैसिफिक मॉल के थिएटर में लगी भीषण आग
- बंगाल सरकार का बड़ा फैसला, मदरसों में भी वंदेमातरम् अनिवार्य
- राजस्थान में महंगा हुआ दूध, डेयरी विभाग ने कीमतों में किया 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा
- दिल्ली : यमुना नदी को लेकर अमित शाह ने बुलाई बैठक, दिल्ली की ष्टरूभी होंगी शामिल
- पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान, शुरू हो गई वोटिंग
- बिहार के ष्टरूसम्राट चौधरी श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा करेंगे
- राघव चड्ढा ने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया, आज सुनवाई

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

युवाओं की नाराजगी और सिस्टम पर व्यंग्य के बीच शुरू हुआ एक डिजिटल आंदोलन

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कॉकरोच जनता पार्टी इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि यह कोई आधिकारिक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि युवाओं की नाराजगी और सिस्टम पर व्यंग्य के रूप में शुरू हुआ एक डिजिटल आंदोलन है। इस वर्चुअल कैंपेन ने कुछ ही दिनों में लाखों युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया है। खास बात यह है कि इसके घोषणापत्र में महिलाओं को संसद और कैबिनेट में 50% आरक्षण देने जैसे बड़े वादे भी शामिल हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने बेहद कम समय में सोशल मीडिया पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर ली है। इंस्टाग्राम पर इसके 63 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं, जबकि ङ्क (पूर्व ट्विटर) पर करीब 1.21 लाख लोग इससे जुड़ चुके हैं। बताया जा रहा है कि सिर्फ एक दिन में ही करीब 30 लाख लोग इस अभियान से जुड़े।

मात्र 5 दिन में 63 लाख हुए फॉलोअर्स

कैसे शुरू हुआ पूरा विवाद?

15 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। दावा किया गया कि उन्होंने बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' और 'पैरासाइट' से की है। हालांकि बाद में कोर्ट की ओर से स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के संदर्भ में थी, लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर युवाओं का गुस्सा भड़क चुका था। इसी के बाद अभिजीत दीपके ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम से यह व्यंग्यात्मक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया।

50% आरक्षण का वादा

CJP के घोषणापत्र में महिलाओं को संसद और कैबिनेट में 50% आरक्षण देने की बात सबसे ज्यादा चर्चा में है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इस मांग को गंभीर बहस का विषय बता रहे हैं।

युवाओं की नाराजगी का प्रतीक

भले ही ष्ठ्ठक्क को एक मीम ट्रेंड या इंटरनेट जोक माना जा रहा हो, लेकिन यह देश के युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, पेपर लीक, सिस्टम से निराशा और राजनीतिक अविश्वास जैसी भावनाओं को भी सामने ला रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स इसे युवाओं के 'डिजिटल विरोध' के रूप में देख रहे हैं। महुआ मोइत्रा जैसे कुछ नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर इस ट्रेंड का समर्थन किया है।

कौन हैं अभिजीत दीपके?

■ अभिजीत दीपके सोशल मीडिया स्ट्रेटेजिस्ट हैं और वर्तमान में अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशन की पढ़ाई कर रहे हैं। वह 2020 से 2023 तक आम आदमी पार्टी की सोशल मीडिया टीम के साथ भी काम कर चुके हैं।

■ अभिजीत के मुताबिक, उन्होंने सोशल मीडिया पर CJI की टिप्पणी देखी और सोचा कि 'अगर सारे कॉकरोच एक साथ आ जाएं तो क्या होगा?' इसी विचार से इस आंदोलन की शुरुआत हुई।

■ मजाकिया अंदाज में इस ग्रुप से जुड़ने के लिए कुछ 'योग्यताएं' भी बताई गई — जैसे बेरोजगार होना, घंटों फोन चलाना, ऑनलाइन एक्टिव रहना और प्रोफेशनल तरीके से सिस्टम को कोसना। यही वजह है कि यह कैंपेन युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया।

'यह सिर्फ मजाक नहीं'

एक इंटरव्यू में अभिजीत दीपके ने कहा कि कई युवाओं ने उन्हें बताया कि उन्हें ऐसा प्लेटफॉर्म चाहिए, जहां वे खुलकर अपनी बात रख सकें। उनके मुताबिक ष्ठ्ठक्क सिर्फ एक राजनीतिक व्यंग्य नहीं, बल्कि युवाओं की आवाज और सिस्टम के खिलाफ असंतोष का प्रतीक बन चुका है।

कार्रवाई... आज सुबह से लक्ष्मी बाई प्रतिमा से जिंसी चौराहा तक रोड सड़क चौड़ीकरण में बाधक हटाने की कार्यवाही की जा रही है। निगम का अमला और भारी पुलिस बल तैनात रहा। फोटो : दैनिक इंदौर संकेत

गांधी भवन में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह का बड़ा बयान

सिंधिया कांग्रेस में आए तो मैं पार्टी छोड़ दूंगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के गांधी भवन में आयोजित कांग्रेस के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह का बयान सुर्खियों में आ गया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता प्रवेश यादव ने सवाल पूछा कि यदि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो क्या पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की वापसी होगी?

इस पर राहुल भैया ने कहा कि सरकार बनने के बाद कांग्रेस को किसी 'गद्दार' की जरूरत नहीं पड़ेगी, हालांकि चुनाव से पहले इक्का-दुक्का लोग लौटना चाहें तो उस पर विचार हो सकता है। लेकिन जब सवाल दोबारा उठा, तो उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम लेते हुए साफ कहा कि

'अगर सिंधिया भी कांग्रेस में वापस आना चाहेंगे, तो हम उन्हें नहीं लेंगे।' इतना ही नहीं, राहुल भैया ने आगे कहा कि 'अगर इसके बाद भी सिंधिया कांग्रेस में आते हैं, तो मैं पार्टी छोड़ दूंगा।' उनके इस बयान के बाद गांधी भवन का माहौल गरमा गया और राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं।

मोदी-मेलोनी की 'मेलोडी' डिप्लोमेसी वीडियो ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

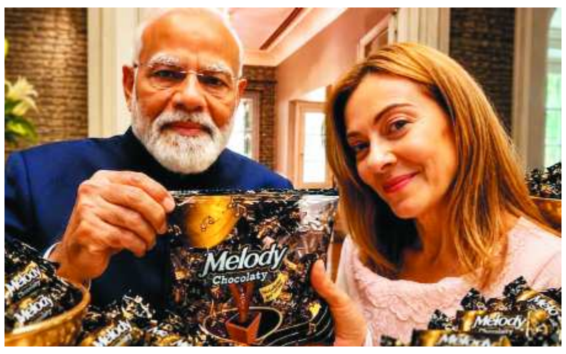

दिल्ली/रोम (एजेंसी) ● पांच देशों की यात्रा के आखिरी पड़ाव में पीएम मोदी दो दिवसीय इटली दौरे पर पहुंचे। मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने रोम में एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मोदी ने कहा कि हम डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे। हालांकि 'मेलोडी' डिप्लोमेसी यानी मोदी द्वारा मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी गिफ्ट करना चर्चा में रहा। सोशल मीडिया पर मेलोनी ने इसका वीडियो को पोस्ट किया तो सनसनी मच गई। देर रात मोदी भारत के लिए रवाना हो गए।

मोदी ने इसलिए की 'मेलोडी' टॉफी गिफ्ट–मोदी ने मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी इसलिए गिफ्ट की थी क्योंकि सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के नामों को जोड़कर मेलोडी शब्द काफी वायरल हो गया था।

रमेश मेंदोला ने राहुल गांधी को भेजा हाजमोला का डिब्बा

पीएम मोदी ने इटली की पीएम को मेड इन इंडिया चॉकलेट गिफ्ट की और वो चॉकलेट पूरी दुनिया में मशहूर हो गई। ये बात राहुल गांधी और कांग्रेसियों को हजम नहीं हो रही, वैसे जब भी देश के लिए कुछ अच्छा होता है तो इनको हजम नहीं होता। इनकी ये बीमारी दूर करने के लिए मैने टाटा की vmg.com पर राहुलजी के लिए हाजमोला का एक डिब्बा ऑर्डर किया है और एक्स पर उन्हें ट्विट कर इसकी सूचना भी दे दी है। डाबर समूह का हाजमोला कल कांग्रेस मुख्यालय पहुंच जाएगा। उम्मीद है उनकी ये बीमारी दूर हो जाएगी। मुझे उम्मीद है राहुल जी खुद भी हाजमोला खाएंगे और हर कांग्रेसी को खिलाएंगे ताकि उन्हें देश को मिल रहा सम्मान और देश हित में हो रहे व्यापक वैश्विक अनुबंध से देश हित के समाचार और हां भारत की मेलोडी चॉकलेट की वैश्विक ख्याति पच सके।

पानी का संग्राम महापौर निवास पहुंचकर बोले हार्डिया मुझे गलत जानकारी थी

संगठन की फटकार के बाद पहुंचे थे मेयर के घर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेरी विधानसभा पांच के साथ भेदभाव हो रहा है, टंकियां नहीं मिल रही हैं, स्थिति विस्फोटक हो रही है। यही हाल रहा तो मैं रोज सुबह महापौर के घर जाऊंगा। यह विरोधी तेवर दिखाने वाले पांच बार के विधायक महेंद्र हार्डिया अब बैकफुट पर हैं। संगठन के संभागीय प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने हार्डिया के इस बयान के बाद नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा को फोन किया और डैमेज कंट्रोल के लिए कहा। साथ ही सख्त शब्दों में कहा कि अपने ही लोग अपनी सरकार के खिलाफ कैसे बोल सकते हैं।

मिश्रा फिर बुधवार, 20 मई की सुबह हार्डिया को साथ लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव

के निवास पर पहुंचे। यहां पर हार्डिया से महापौर ने कहा कि बाबा, आप हमारे वरिष्ठ हैं। आपने कभी मुझे फोन कर समस्या नहीं बताई और न ही कोई पत्र भेजा। इंदौर नगर निगम द्वारा सभी को बराबरी से पानी दिया जा रहा है। आपने विधायक निधि से टंकी स्वीकृत की थी, इसलिए नए प्रोजेक्ट में टंकी हटाई गई। आप खुद ऑनलाइन देख सकते हैं कि कहां पर कितनी टंकियां भरी जा रही हैं। आपके क्षेत्र में सभी पार्षदों को भी टैंकर दिए हैं।

इधर कांग्रेस बोली- आखिर सैटलमेंट हो गया

उधर कांग्रेस ने इस समझौते पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता अमीनुल खान सूरी ने कहा कि विधानसभा पांच से अचानक जलसंकट खत्म हो गया। आखिर ऐसा कौन सा चमत्कार हो गया? महेंद्र हार्डिया बाबा ने जिस मुद्दे को जनता की लड़ाई बताकर सड़कों पर उठाया, आखिर वह लड़ाई अचानक खत्म कैसे हो गई? अचानक सब कुछ मैनेज कैसे हो गया? क्या ये लड़ाई जनता की नहीं थी, ये लड़ाई अहंकार, वर्चस्व, राजनीतिक हित और निजी समीकरणों की थी। आखिर सेटलमेंट हो गया।

फिर हार्डिया ने कहा- मुझे गलत जानकारी मिली

इसके बाद बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने भी कहा कि बाबा, सरकार हमारी है और हमें मिलकर काम करना है। कोई भी समस्या हो तो संगठन के पास या महापौर से सीधे बात कर लीजिए। इस घटना से संगठन नाराज है। फिर हार्डिया ने कहा कि मुझे गलत जानकारी मिली थी, मुझे आपसे (महापौर) से कोई शिकायत नहीं है। पूरी निगम टीम इस जलसंकट में भी अच्छा काम कर रही है और महापौर खुद और निगम के अधिकारी लगे हुए हैं।

मोदी की आज हाई-लेवल मीटिंग

मंत्रियों को दिल्ली में रहने का 'कड़ा फरमान'; होने वाला है बड़ा ऐलान!

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पश्चिम एशिया में जारी तनाव और भारत में संभावित तेल संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को मंत्री परिषद की महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं। बैठक शाम 4 बजे सेवा तीर्थ में आयोजित होगी।

इस बैठक को लेकर काफी तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में आज होने वाली इस अहम बैठक में देश की ऊर्जा सुरक्षा, बढ़ती ईंधन कीमतों और वैश्विक परिस्थितियों के भारत पर पड़ने वाले असर पर गहन विचार-विमर्ष हो सकता है। प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों को दिल्ली में ही मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। पांच देशों की विदेश यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत लौट आए हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि वे अंतरराष्ट्रीय हालात और भारत की रणनीति पर मंत्रियों के साथ गहन चर्चा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में मंत्रिमंडल में फेरबदल जैसे मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बैठक के एजेंडे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गयी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य राज्य मंत्री शामिल होंगे। इस वर्ष मंत्री परिषद की यह पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है। खास बात यह है कि देश में ईंधन संकट की आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री पहले ही जनता से वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन क्लासेज को प्राथमिकता देने की अपील कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या भी कम कर दी थी, ताकि ईंधन की बचत का संदेश दिया जा सके।

45 डिग्री तापमान में भी बिना एसी-कूलर के घर रहेगा ठंडा, इंदौर में तैयार हो रहा ईको फ्रेंडली घर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भीषण गर्मी के इस दौर में जहां हर घर में एसी और कूलर जरूरत बन चुके हैं, वहीं इंदौर में एक ऐसा अनोखा घर तैयार हो रहा है. जिसमें न एसी की जरूरत पड़ेगी। और न ही कूलर की. खास बात यह है कि 45 डिग्री तापमान में भी यह घर अंदर से ठंडा रहेगा और बिजली का खर्च भी लगभग शून्य होगा. इस घर का निर्माण पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक निर्माण तकनीकों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

इंदौर के पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह इस अनोखे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं. उनका मानना है कि यदि घर, ऑफिस और अन्य भवनों के निर्माण में पारंपरिक और वैज्ञानिक निर्माण शैलियों का उपयोग किया जाए तो गर्मी से बचने के लिए महंगे संसाधनों की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इसी सोच के साथ उन्होंने लॉरी बेकर की प्रसिद्ध 'रेट ट्रैप मेजोनरी' तकनीक से अपना घर बनाना शुरू किया है।

45 डिग्री तापमान में भी नहीं होगी गर्मी की परेशानी

राजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने वर्षों पहले इस तकनीक से बनी एक इमारत देखी थी, जिसके बाद से वे इसी तरह का घर बनाने की योजना बना रहे थे। काफी रिसर्च और खोजबीन के बाद उन्हें रोहतक के कुशल कारीगर जय नारायण मिस्त्री मिले, जिन्हें बिना सरिया और भारी सपोर्ट के डोम आकार की मजबूत छत बनाने में महारत हासिल है। अब दोनों परिवार मिलकर इंदौर के असरावद बुजुर्ग इलाके में यह ईको फ्रेंडली घर तैयार कर रहे हैं। रेट ट्रैप मेजोनरी तकनीक ब्रिटिश आर्किटेक्ट लॉरी बेकर द्वारा शुरू की गई एक खास निर्माण शैली है।

दीवारों में विशेष आकार की ईंटें लगाई जाती

घर की नींव करीब पांच फीट गहरी बनाई जाती है, जिसमें पत्थर, चूना और सीमेंट का उपयोग किया जाता है। दीवारों में विशेष आकार की ईंटें लगाई जाती हैं और उनके बीच गैप रखा जाता है ताकि गर्मी का असर कम हो सके। वहीं छत को डोम आकार में तैयार किया जाता है, जो बिना सरिए के भी बेहद मजबूत होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और बिजली की खपत को देखते हुए ऐसी पारंपरिक और सस्टेनेबल तकनीकें भविष्य में बेहद उपयोगी साबित हो सकती हैं। यह तकनीक न केवल गर्मी स राहत देती है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ा कदम मानी जा रही है।

घर प्राकृतिक रूप से रहेगा ठंडा

इसमें दीवारों के बीच खाली जगह छोड़ी जाती है. जिससे बाहरी गर्मी सीधे घर के अंदर नहीं पहुंचती। यही वजह है कि इस तकनीक से बने घर प्राकृतिक रूप से ठंडे बने रहते हैं। इस निर्माण शैली में कम ईंट, कम सीमेंट और कम ऊर्जा का उपयोग होता है, जिससे लागत भी कम आती है और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचता।

20 फीसदी तक बढ़ सकता है यात्री और माल भाड़ा

रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की भी बढ़ सकती है कीमतें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • यात्री और माल भाड़ा 20 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ेंगी। ट्रांसपोर्टरों और ऑपरेटरों ने दर वृद्धि की चेतावनी भी दी है। पेट्रोल की कीमत वर्तमान में 110 रुपए 70 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.02 प्रति लीटर हो गई है, जिसके चलते निजी दुपहिया, चार पहिया वाहन चालकों की जेब पर इस दर वृद्धि का अतिरिक्त भार पड़ ही रहा है। वहीं अब रोजमर्रा की वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी, क्योंकि डीजल की कीमत बढने के कारण मालभाड़ा भी बढ़ेगा। लॉजिस्टिक से जुड़े परिवहन ऑपरेटरों का कहना है कि कम से कम 20 फीसदी की वृद्धि करना होगी, क्योंकि ईंधन के साथ-साथ पार्ट्स, टैक्स सहित अन्य खर्चे भी ट्रांसपोर्टरों के बढ़ गए हैं। इतना ही नहीं, माल भाड़ा बढने के साथ रोजमर्रा की वस्तुएं, जिनमें फल, दही, दूध, किराना, खाद तेल सहित एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी। उनकी संचालन लागत का 40 से 50 फीसदी हिस्सा केवल ईंधन यानी डीजल पर ही खर्च होता है, जिसकी कीमत अभी लगातार बढ़ाई जा रही है। इसके साथ-साथ टायर, स्पेयर पार्ट्स, ल्यूबरीकेंट्स और रख-रखाव के अन्य खर्चों में भी बढ़ोतरी हुई।

फोन पर अधिकारियों से एक-एक क्षेत्र की जानकारी ली

सुबह 7 बजे ही कंट्रोल रूम पहुंचे आयुक्त, फिर अफसरों से पूछा-बताएं कहां नहीं पहुंचा पानी?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में गहराते जल संकट, घटते प्रेशर और टैंकर सप्लाई को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच नगर निगम ने अब जलप्रदाय व्यवस्था को द्मवॉर रूमद्य मोड में मॉनिटर करना शुरू कर दिया है। बुधवार सुबह नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल अचानक बीजलपुर नर्मदा कंट्रोल रूम पहुंचे और शहर की पूरी जल वितरण व्यवस्था की जमीनी समीक्षा की। सुबह करीब 7 बजे शुरू हुए निरीक्षण में आयुक्त ने कंट्रोल रूम से ही शहर के अलग-अलग जोन के अधिकारियों से सीधे बात की। उन्होंने सहायक यंत्रियों और जलप्रदाय अधिकारियों से पूछा कि किन टंकियों में नर्मदा जल भर चुका है, किन इलाकों में सप्लाई शुरू हुई, कहां कम प्रेशर की शिकायत है और कितने टैंकर मैदान में उतारे गए हैं।

फोन पर ली 'रियल टाइम रिपोर्ट': आयुक्त ने कंट्रोल रूम से फोन पर अधिकारियों से एक-एक क्षेत्र की जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार, कई इलाकों में पानी की अनियमित सप्लाई और टैंकरों की देरी को लेकर सख्त नाराजगी भी जताई गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जल वितरण की हर गतिविधि की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाए और शिकायत आने के बाद नहीं, बल्कि पहले से तैयारी रखी जाए। निरीक्षण के दौरान सबसे ज्यादा जोर हाइड्रेट से टैंकर भरने की व्यवस्था पर रहा। आयुक्त ने साफ कहा कि जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन से सप्लाई प्रभावित है, वहां टैंकरों के जरिए तत्काल राहत पहुंचनी चाहिए।

लगातार दूसरी बार सख्ती के संकेत

पिछले कुछ दिनों से इंदौर में पानी की सप्लाई को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। बिजली सप्लाई बाधित होने से नर्मदा परियोजना के पंप प्रभावित हुए, कई टंकियों का भराव समय बिगडा और कई कॉलोनियों में सप्लाई प्रभावित रही। इसके बाद नगर निगम ने कंट्रोल रूम स्तर से निगरानी बढ़ा दी है। आयुक्त का यह सुबह-सुबह निरीक्षण साफ संकेत माना जा रहा है कि अब जलप्रदाय व्यवस्था में लापरवाही पर सीधे जवाबदेही तय होगी। निगम प्रशासन की कोशिश है कि गर्मी के चरम दौर में जल संकट को लेकर जनता का आक्रोश और न बढ़े।

ट्रांसपोर्टर्स ने एनजीटी टैक्स और बीएस-4 रोक का किया विरोध

आज से इंदौर में थमेंगे ट्रकों के पहिए..?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ट्रांसपोर्टर्स ने एनजीटी टैक्स और बीएस-4 रोक का विरोध किया है। दिल्ली-एनसीआर में गुरूवार से प्रस्तावित सांकेतिक चक्काजाम का असर इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबार पर भी दिखाई देगा। ट्रांसपोर्ट व्यापारियों के मुताबिक आज से हड़ताल के दौरान दिल्ली रूट पर चलने वाले सैकड़ों ट्रकों के पहिए थम सकते हैं, जिससे माल परिवहन और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। इंदौर-दिल्ली के बीच रोजाना बड़ी संख्या में ट्रकों की आवाजाही होती है। ऐसे में परिवहन से जुड़े कारोबारियों, हम्मालों, ड्राइवरों व व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

कारोबारियों का कहना है दिल्ली से इंदौर में इलेक्ट्रिक आइटम, किराना व अन्य उपभोक्ता सामान बड़ी मात्रा में आता है, जबकि इंदौर से प्याज, सोयाबीन व कृषि उपज दिल्ली भेजी जाती है। ट्रकों की आवाजाही रुकने से सप्लाई चेन प्रभावित होने की आशंका है। बाजार में माल पहुंचने में देरी और परिवहन लागत बढ़ सकती है। ट्रांसपोर्टर्स ने दिल्ली में प्रवेश करने वाले ट्रकों पर एनजीटी टैक्स बढ़ाने और 1 नवंबर 2026 से बीएस-4 कमर्शियल वाहनों पर रोक लगाने का विरोध किया है। बीएस-6 ट्रकों पर भी ईसीसी शुल्क जारी रखा जाएगा। उन्होंने डीजल कीमतों में राहत, टोल टैक्स कम करने और ट्रांसपोर्टरों के बैंक लोन की किस्तों में अस्थायी राहत देने की मांग की है।

इंदौर डीएवीवी हॉस्टल में हंगामा करने वाले 18 स्टूडेंट चिन्हित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के IET डिपार्टमेंट के हॉस्टल में अर्धनग्न होकर डांस कर तोड़फोड़ करने वाले 18 स्टूडेंट्स को चिन्हित किया जा चुका है। बाकी और स्टूडेंट्स को चिन्हित किया जा रहा हैं। सभी स्टूडेंट्स के आईडेंटिफाई होने के बाद एक साथ इन्हें नोटिस दिए जाएंगे। फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स को आखिरी एग्जाम देने से भी वंचित रखा गया है। जांच के बाद इनकी एग्जाम कराई जाएगी। पिछले दिनों द्बश्वञ्ज के रामानुजन बॉयस हॉस्टल बी में फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स ने जमकर उत्पात मचाया था। उन्होंने अर्धनग्न होकर हॉस्टल में दारू बदनाम कर दी गाने पर डांस किया था और उसके बाद हॉस्टल की कुर्सियां, टेबल, खिड़ियों के कांच यहां तक की प्लास्टिक की पानी की टंकी भी तोड़ दी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन एक्शन मोड में आ गया। अनुशासन समिति ने भी इमरजेंसी मीटिंग की थी। स्टूडेंट्स पर 25 हजार प्रति स्टूडेंट्स पेनल्टी लगाने, आखिरी एग्जाम नहीं देने, रिजल्ट रोकने जैसे एक्शन लेना तय किया।

व्यक्ति के हृदय में भक्ति आती है तो वो किसी से बैर नहीं करता है : आचार्य बालकृष्ण शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भक्ति से बढ़कर संसार में कोई धर्म नहीं है। परमात्मा शक्ति स्वरूप है, व्यक्ति के हृदय में भक्ति आती है तो वो किसी से बैर नहीं करता है,अनन्य भक्ति का वास्तविक अर्थ यही है कि मनुष्य किसी से बैर न रखे और सभी प्राणियों में प्रभु का स्वरूप देखे। भगवान का सच्चा भक्त प्रेम, करुणा और सद्भाव का मार्ग अपनाता है। भक्ति का सर्वोच्च स्वरूप वही है, जिसमें व्यक्ति के मन में किसी के प्रति बैर का भाव न हो और वह मानवता की सेवा को ही प्रभु सेवा माने। हर परिस्थिति में मुस्कुराने वाला भक्त ही भगवान को सबसे प्रिय लगता है इसलिए जीवन में कोई भी कठिनाई आ जाएं हमे मुस्कुराते ही रहना चाहिए, कभी दुखी नहीं होना चाहिए,प्रभु का स्मरण करने से सारे संकट दूर हो जाते है,जिनके जीवन में धर्म होता है उनके जीवन में शांति होती है,संतो के चरणों की भक्ति में ही आनंद और सुख की प्राप्ति होती है। यह बातें अधिक मास के पावन अवसर पर पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में आयोजित आचार्य बालकृष्ण शास्त्री ने सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन कही।

इंदौर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मक्सी के पास इंदौर-शिवपुरी रूट की बस में आग लगने से 4 वर्षीय मासूम अनय जैन की दर्दनाक मौत के मामले में आज इंदौर के विभिन्न संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा। विभिन्न जैन संगठनों, सीए फेडरेशन दिगंबर जैन समाज सामाजिक सांसद, राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ, विश्व जैन संगठन एवं अनेक संस्थाओं ने इंदौर जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपकर इस घटनाक्रम को प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार से हुई हत्या करार दिया। सांसद के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू एवं प्रवीण जैन ने कहा कि इस घटना में अधिकारियों को सह-आरोपी बनाने की मांग ज्ञापन में मांग की गई कि इस बस ऑपरेटर की इंदौर में पहले भी तीन बसों में आग लग चुकी है, फिर भी कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। अत: तत्कालीन इंदौर कलेक्टर और अनफिट बस को हरी झंडी देने वाले परिवहन विभाग के फिटनेस अधिकारी के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

भाजपा सरकार श्रमिकों के साथ अन्याय कर रही है - राहुल भैया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • लम्बे अंतराल के बाद इन्दौर आए कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता एवं पूर्व विधानसभा नेताप्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल भैया' अपने इन्दौर प्रवास के दौरान इंटक कार्यालय श्रम शिविर पहुंचे जहां उन्होंने इंटक को कांग्रेस की रीड की हड्डी बताते हुए कहा कि वर्तमान में केन्द्र व म.प्र. की भाजपा सरकारें श्रमिकों के हित साथ अन्याय कर रही हैं, श्रमिकों के हित में बने श्रम कानून समाप्त करके मालिकों के हितों को संरक्षण दे रही हैं, ठेका प्रथा को बढ़ाया जा रहा है ठेकेदार मजदूरों से मनचाहा कार्य करवाते हैं, उनकी मेहनत का पैसा भी नहीं दे रहे और न ही श्रमकानूनों का पालन कर रहे हैं। म.प्र. इंटक के अध्यक्ष श्यामसुंदर यादव ने कहा की इंटक श्रमिकों के शोषण के खिलाफ हमेशा भाजपा से संघर्ष करती है और संकट कै दौरान कांग्रेस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करती है, लेकिन जब समय आता है, तो काँग्रेस इंटक को नजर अन्दाज कर देती है।आज तक काँग्रेस के बड़े संगठनों में इंटक के किसी भी पदाधिकारी को जगह नहीं दी जाती है। इंटक नेता लक्ष्मीनारायण पाठक ने भी संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन इंटक के प्रधान मंत्री हरनाम सिंह धारीवाल ने एवं आभार गोपाल शर्मा ने माना, इस अवसर पर कन्हैयालाल मरमट, कन्हैयालाल चौघनिया, शिवप्रसाद, जानकी लाल पटैरिया, महेन्द्र सिंह सिकरवार, विद्युत मण्डल फेडरेशन के एन.के. यादव, उमेद सिंह, अशोक मिश्रा, जयेन्द्र सिंह धारीवाल, शुभम गुप्ता, मनोहर रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में इंटक प्रतिनिधी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने स्व. मल्हारराव होल्कर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने होल्कर राजवंश के संस्थापक स्व. मल्हारराव होल्कर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे संपूर्ण राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने मालवा की माटी को अपने शौर्य, वीरता और पराक्रम से सींचा। होल्कर राजवंश लोक-कल्याण और जनसेवा के लिए जाना जाता है। हम सभी उनसे प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश की समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

भारतीय व्यवसायों के लिए दुबई की भूमिका हुई और मजबूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दुबई चैंबर्स के तहत संचालित तीन चैंबरों में से एक, दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स ने घोषणा की है कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान 3,995 नई भारतीय कंपनियाँ चैंबर में शामिल हुई हैं। यह उल्लेखनीय वृद्धि चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापारिक परिस्थितियों के बीच भारत और दुबई के बीच लगातार मजबूत होते आर्थिक और कारोबारी संबंधों को दर्शाती है। मार्च 2026 के अंत तक दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सक्रिय सदस्यों के रूप में पंजीकृत भारतीय कंपनियों की कुल संख्या बढ़कर 84,088 हो गई है, जिससे दुबई में सबसे बड़े विदेशी व्यापारिक समुदाय के रूप में भारत की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है।

'इंदौर में नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप 2026 की ट्रॉफी का अनावरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन ने नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप 2026 के प्रचार और ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े प्रोफेशनल्स को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप की विजेता ट्रॉफी का अनावरण किया गया। यह चैंपियनशिप 20, 21 एवं 22 जुलाई 2026 को इंदौर में आयोजित होगी। आयोजन की रूपरेखा उन्नति सिंह द्वारा तैयार की जा रही है और इसे इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन का सहयोग प्राप्त है। नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप का उद्देश्य ब्यूटी इंडस्ट्री में आधुनिक शिक्षा, नई तकनीकों की जानकारी और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना है।

कौशल प्रशिक्षण से बढ़ रहा बेटियों का आत्मविश्वास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रदेश की बेटियां अब आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की योजनाएं उन्हें कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर दे रही हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में महिलाएं अब तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ रही हैं। कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। प्रदेश में 934 आईटीआई हैं। इनमें 290 शासकीय और 644 निजी आईटीआई शामिल हैं। इन संस्थानों में युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर में रिक्त अतिथि पीटीआई की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले में संचालित शासकीय राजा शंकरशाह रघुनाथ शाह विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर छोटी बेटमा इंदौर में पी.टी.आई. के रिक्त पदों की भर्ती के लिये अतिथि पी.टी.आई. की आवश्यकता हैं। जनजातीय कार्य विभाग इंदौर के सहायक आयुक्त द्वारा बताया कि शासकीय राजा शंकरशाह रघुनाथ शाह विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर में अतिथि पी.टी.आई. के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 21 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

हमारी सनातनी-सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाते हैं तीज-त्यौहार : पं. तिवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारी सनातनी और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाते हैं हमारे तीज-त्यौहार। दुनिया के किसी अन्य देश में इतने उत्सव नहीं मनाए जाते जितने हमारे यहाँ मनते हैं। हमारी संस्कृति में उत्सवों के अनेक रंग भरे हुए हैं। जन मानस को उत्साह और उमंग से भरने का यह जज्बा ही उत्सव कहलाता है। यहाँ तक कि विदेशों के लोग भी सात समन्दर पार से हमारे यहाँ आकर इन उत्सवों का आनंद लेते हैं। भगवान अवतार लेते हैं, उनका जन्म नहीं होता। भारत अवतारों की ही पुण्य भूमि है। याद रखें कि भगवान दुष्टों के नाश और सज्जनों के संरक्षण के लिए ही पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। राम और कृष्ण के बिना सनातन संस्कृति न तो समृद्ध हो सकती है और न ही परिपूर्ण। यह शाश्वत संस्कृति ही भारतीय समाज की प्राण वायु है। ये दिव्य विचार हैं भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी के, जो उन्होंने सप्तऋषि भागवत मंडल के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में बुधवार की शाम को खजराना गणेश मंदिर स्थित सत्संग सभागृह में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान व्यक्त किए। कथा में भगवान का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पहले राम जन्म, फिर कृष्ण जन्म के उत्सव का उल्लास तो इतना जबरदस्त था कि समूचा सभागृह भजनों पर नाच उठा।

वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से आयोजित दो शिविरों में 1168 महिलाओं ने कराई निशुल्क जांचें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन, छवि सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं गुरूजी सेवा न्यास की मेजबानी में बुधवार को श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में शहर में दो स्थानों पर मातृशक्ति के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे, स्कीम 54 स्थित चमेलीदेवी अग्रवाल मेडिकल सेंटर (माधव सृष्टि) पर 547 एवं छावनी स्थित चमेलीदेवी अग्रवाल रेडक्रॉस सेंटर पर 621 महिलाओं ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। दोनों स्थानों पर 40 वर्ष से अधिक आयु की 261 महिलाओं की कैंसर स्क्रीनिंग जांच भी निशुल्क की गई। दोनों स्थानों पर गुरुवार को भी सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक शिविर जारी रहेंगे। बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे स्थित गुरूजी सेवा न्यास द्वारा संचालित माधव सृष्टि, चमेलीदेवी अग्रवाल मेडिकल सेंटर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सेवा विभाग एवं सेवा भारती के मार्गदर्शन में शिविर का शुभारंभ बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख समाजसेवी विनोद अग्रवाल, न्यासी वंशिका तपन अग्रवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, मुकेश हजेला, न्यास के सचिव संदीप जमींदार, मनीषी श्रीवास्तव, नारायण अग्रवाल, रजनीश गुप्ता, डॉ. संजय लोंढे एवं अन्य सहयोगी बंधुओं ने महाराजा अग्रसेन एवं श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल के चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित कर किया। यहाँ 547 महिलाओं की विभिन्न प्रकार की जांचे की गई जबकि कैंसर स्क्रीनिंग जांच का लाभ 110 महिलाओं ने उठाया। गुरुवार को भी सुबह 9 बजे से शिविर प्रारम्भ हो जाएगा। यहाँ दोपहर 3 बजे तक शिविर खुला रहेगा। शिविर में जनरल फिजिशियन, चर्म रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग, ईएनटी, नेत्र रोग, विशेषज्ञों की सेवाएँ भी उपलब्ध रहेंगी तथा खून संबंधी जांचें, दंत रोग, पीएफटी श्वास, न्यूरोपैथी नसों की जाँच, मोतियाबिंद परीक्षण की सुविधा भी मिल सकेगी।

सिंहस्थ में ट्रैफिक और आपात सेवा में एआई की मदद लेने की तैयारी

भोपाल (एजेंसी) ● धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ का आयोजन होने जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में ट्रैफिक व्यवस्था के अलावा आपात सेवाएं सुचारू रूप से संचालित रहे इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेने की तैयारी चल रही है। इसके लिए सरकार और गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारी के बीच चर्चा हुई। आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री मोहन यादव से बुधवार को मंत्रालय में गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री यादव ने पदाधिकारियों के साथ प्रदेश में प्रशासनिक दक्षता संवर्धन, एआई आधारित सुशासन और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में एआई आधारित तकनीकी सहयोग के संबंध में राउंड टेबल मीटिंग की। बैठक में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि राज्य सरकार और गूगल क्लाउड इंडिया के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोग स्थापित किया जा रहा है। इसमें इंदौर में 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही एमओयू होगा। यह सेंटर एआई आधारित

नवाचार, अनुसंधान, स्किल डेवलपमेंट और तकनीकी समाधान विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

सेंटर से 10 हजार से अधिक एआई डेवलपर्स को जोड़ा जाएगा, जो मध्य प्रदेश सहित देश और साउथ ग्लोबल की आवश्यकताओं के अनुरूप रियल टाइम तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएंगे। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के पश्चात हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में गूगल क्लाउड इंडिया ने 'समृद्ध मध्य प्रदेश' की अवधारणा के अनुरूप एआई आधारित विकास और सुशासन के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया।

बैठक में सिंहस्थ-2028 को स्मार्ट और तकनीक-सक्षम आयोजन के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा हुई। गूगल द्वारा प्रस्तुत एआई फ्रेमवर्क में रियल टाइम भीड़ प्रबंधन, प्रेडिक्टिव ट्रैफिक एवं सुरक्षा विश्लेषण, एआई आधारित इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम और डिजिटल ट्विन मॉडल जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं शामिल हैं। बैठक में 'सहायक' नामक बहुभाषीय एवं वॉइस-सक्षम एआई एप्लिकेशन की अवधारणा भी प्रस्तुत की गई, जो सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को भीड़ की स्थिति, मार्गदर्शन, ट्रैफिक व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की रियल टाइम जानकारी स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराएगा। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आयोजन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा। गूगल ने प्रदेश में 'एआई फॉर ऑल' स्किलिंग कार्यक्रम, उन्नत क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर एवं एआई व एमएल आधारित पायलट परियोजनाओं, स्टार्ट-अप इको सिस्टम संवर्धन और साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वायरल गर्ल बोली- ओरिजनल बर्थ सर्टिफिकेट बदला गया, इंदौर हाईकोर्ट में लगाई याचिका, खुद को बताया बालिग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'वायरल गर्ल' ने खुद को बालिग साबित करने के लिए बुधवार को अपने पति के साथ इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। दावा किया है कि उनकी शादी को अपराध की श्रेणी में लाने के लिए सरकारी जन्म प्रमाण पत्र में फर्जी बदलाव किए गए। उन्हें नाबालिग दिखाने की कोशिश की गई। याचिका में कहा गया है कि मूल जन्म प्रमाण पत्र को बिना नोटिस और कानूनी प्रक्रिया के सरकारी पोर्टल से हटा दिया गया। उसकी जगह कथित रूप से गलत जन्मतिथि दर्ज कर दी गई। साजिश कर नाबालिग दिखाया गया। मूल जन्म प्रमाण पत्र बहाल करने और सरकारी रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की स्वतंत्र जांच की मांग की है। याचिका के अनुसार, वायरल गर्ल की मुलाकात केरल में फिल्म शूटिंग के दौरान एक युवक से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मार्च 2026 में दोनों ने शादी कर ली। खरगोन जिले की रहने वाली लड़की पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों के कारण चर्चा में आई थीं। मामला उस समय विवादों में आया, जब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने विवाह पर आपत्ति जताई। आयोग का दावा था कि शादी के समय वायरल गर्ल की उम्र 16 वर्ष थी और विवाह के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद खरगोन पुलिस ने वायरल गर्ल के पति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। 20 अप्रैल को केरल हाईकोर्ट ने युवक की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उनके पिता और कुछ अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर पति के खिलाफ भड़काऊ और द्वेषपूर्ण प्रचार किया। व्यक्तिगत विवाह को 'लव जिहाद' से जोड़कर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई, ताकि सामाजिक माहौल प्रभावित हो सके।

प्रदेश में अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी, स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसान बेच सकेंगे अपनी उपज- सीएम

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश में अब गेहूं खरीदी 28 मई तक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने किसानों से किए गए वादों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकारी खरीदी केंद्रों पर जिन किसानों ने स्लॉट बुक कर लिए हैं, लेकिन लंबी कतारों के कारण अभी तक गेहूं नहीं बेच पाए हैं, उन सभी का गेहूं खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने गेहूं खरीदी में अपने ही पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। बीते वर्ष सरकार ने

75 लाख टन गेहूं खरीदा था, जबकि इस साल सरकार 100 लाख टन से अधिक खरीदी के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में मध्य प्रदेश पूरे देश में सर्वाधिक गेहूं खरीदने वाला राज्य बन गया है। अब तक 91 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। डॉ. मोहन यादव ने स्वीकार किया कि भंडारण, वारदाने, बेमौसम बारिश और परिवहन जैसी चुनौतियां सामने हैं, लेकिन सरकार किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिला, युवा, गरीब और किसान समेत सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है और उनकी हर समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रही है।

21 साल पुराने जमीन घोटाले में सजा, किसान की 4 एकड़ जमीन 40 हजार में बेची थी

भोपाल (एजेंसी) ● किसान की कृषि भूमि को नियम विरुद्ध बेहद कम कीमत पर नीलाम करने के 21 साल पुराने भ्रष्टाचार मामले में बुधवार को स्पेशल कोर्ट ने बैंक अधिकारियों समेत 4 आरोपियों को 3-3 साल के सजा सुनाई है। कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की। मामला भोपाल के ग्राम अगरिया का है। यहां किसान गिलेडबिन सहाय ने साल 1974 में खेती के काम के लिए 18 हजार रुपए का लोन लिया था। इसके बदले उसकी जमीन बैंक में गिरवी रखी गई थी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर किसान की जमीन बेची

बैंक अधिकारियों ने मिलकर किसान की 4.34 एकड़ जमीन साल 2005 में सिर्फ 40 हजार रुपए में बेच दी। जबकि जमीन की कीमत इससे कहीं ज्यादा थी। जांच में सामने आया कि नीलामी के नियमों का पालन नहीं किया गया और फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। शिकायत के बाद लोकायुक्त पुलिस ने जांच की। जांच पूरी होने के बाद कोर्ट में मामला पेश किया गया। कोर्ट ने सबूतों और गवाहों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। सरकारी वकील हेमलता कुशवाह ने बताया कि जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के अधिकारी हरिहर प्रसाद मिश्रा, अशोक

मुखरैया, एपीएस कुशवाह और जमीन खरीदने वाले साजिद कुरैशी को कोर्ट ने दोषी पाया।

भोपाल कोर्ट में वकीलों के दो गुटों के बीच विवाद

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर भोपाल कोर्ट में सरगर्मी तेज है। शुक्रवार को कोर्ट परिसर में जमकर हंगामा हुआ और वकीलों के बीच झूमाझटकी तक की नौबत आ गई। एक पक्ष का आरोप है कि कार्यकारिणी ने पहले बहुमत से 19 वोटों के साथ जगमोहन शर्मा को मुख्य चुनाव अधिकारी चुना था, लेकिन बाद में अचानक अध्यक्ष की सहमति से इंद्रजीत राजपूत को मुख्य चुनाव अधिकारी बना दिया गया।

जल संकट पर विरोध प्रदर्शन, गंदे पानी और कम दबाव की आपूर्ति से लोग सड़कों पर उतरे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●उज्जैन में गर्मी बढ़ने के साथ जल संकट गहराता जा रहा है। मंगलवार सुबह तैयब पूरा और बोहरा बाखल क्षेत्र के रहवासियों ने गंदे पानी और कम दबाव से हो रही जल आपूर्ति के विरोध में प्रदर्शन किया। लोगों ने नगर निगम और पीएचई विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी अपने घरों से बाल्टियों में गंदा पानी और खाली बर्तन लेकर सड़क पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। स्थानीय रहवासी अकबर अली ने बताया कि पानी का दबाव इतना कम है कि घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। हाकिम्मुद्दीन ने कहा कि वार्ड 14 में गंदा पानी आ रहा है और आपूर्ति का समय भी बहुत कम है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। नेता प्रतिपक्ष रवि राय के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शहर की जल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कांग्रेस का कहना है कि शहर की लगभग 7 लाख आबादी के लिए प्रतिदिन 2250 एमएलडी पानी की आवश्यकता है, लेकिन पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है। उनका दावा है कि प्रति व्यक्ति 135 लीटर पानी देने का दावा किया जाता है, जबकि कई क्षेत्रों में पानी की भारी कमी है। नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि गंभीर डैम में पर्याप्त पानी उपलब्ध है।

गर्मी की छुट्टियों में नन्हे-मुन्ने बच्चों को वेस्ट मटेरियल से विभिन्न वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण, सकोरे भी भेंट किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ग्रीष्मावकाश में आनंद नगर एवं सपना संगीता स्थित ग्रेशियस किड्स बॉय बाल वाटिका में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 3 से 12 वर्ष आयु वर्ग के करीब 2 दर्जन बच्चे बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। शिविर संयोजक वर्षा सेन ने बताया कि बच्चों को वेस्ट मटेरियल से नई-नई वस्तुएं बनाने के साथ ही प्लास्टिक बोतलों से पौधों के लिए पॉट, आइसक्रीम स्टिक से फोटो फ्रेम, वेलकम होम, सजावटी सामग्री एवं मिटटी के दीपों का निर्माण करना सिखाया जा रहा है। बढ़ते हुए पारे के उछाल को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी के सकोरे भी तैयार किए गए और बच्चों के पालकों को बुलाकर उन्हें ग्रीष्मकाल में अपने घर-आंगन में दाना-पानी रखने के लिए संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि कैंप में सॉफपोर वाटर सॉफ्टनर कंपनी के बिज़नेस हेड अजय कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर बच्चों को पानी की बूँद-बूँद का महत्व बताया। अतिथि स्वागत रश्मि जिंदल, सिमरन कौर, प्राची पटेल एवं अन्य सदस्यों ने किया।

छोटा भीम से लेकर कोकोमेलन तक: टाटा प्ले पर बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गर्मियों की छुट्टियाँ आ गई हैं। बच्चे टीवी के सामने बैठकर ज्यादा समय बिताने लगे हैं। ये दोनों सेवाएं बच्चों के लिए गेम्स और मनोरंजक कार्यक्रमों का बेहतरीन मिश्रण पेश करती हैं। इनमें एक्शन है, रेसिंग है, पहेलियों पर आधारित गेम्स हैं, कविताएं, कार्टून और बच्चों के सीखने के लिए वीडियो हैं। इनके माध्यम से बच्चे इस मंच पर आसानी से खोज भी कर सकते हैं और खेल भी सकते हैं। साथ ही, माता-पिता भी आसानी से अपने बच्चों के लिए ऐसे दिलचस्प कार्यक्रम खोज सकते हैं, जो उन्हें बहुत पसंद भी आएं और उनके विकास में भी सहायक हों। इस पेशकश में बच्चों की परिचित और पसंदीदा श्रृंखलाएं हैं। स्मार्ट गेम्स+पर छोटा भीम, रोल नं. 21, कुंभ करन, स्टीवन यूनिवर्स और रैगुलर शो 300 से अधिक गेम्स के साथ शानदार अनुभव प्रदान करेंगे। वहीं, फन लर्न छोटे बच्चों के लिए कोकोमेलन, लिटिल बेबी बम, शार्कसंस और ज़ैप्पी टून्स जैसे पसंदीदा शो लेकर आया है। इसके अलावा, कुछ बड़े बच्चों के लिए जंगल बुक, पॉ पैट्रोल, शिवा एंड रुद्रा भी उपलब्ध हैं। टाटा प्ले पर यह अनुभव मनोरंजन तो प्रदान करता ही है, साथ ही बच्चों को बहुत कुछ सीखने का अवसर भी देता है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

भीषण गर्मी और लू के बीच बढ़ता संकट, आखिर क्यों बदल रहा है मौसम का मिजाज

मौसम विभाग ने जून तक के मौसम का जो पूर्वानुमान जारी किया है, उसके अनुसार पूर्वी-मध्य, उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में इस बार अधिक गर्मी पड़ेगी। उत्तर और पश्चिमी भारत में गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। कई राज्यों में तापमान 46 डिग्री के पार पहुंच गया है। हाल में कुछ राज्यों में आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में गिरावट आई थी, लेकिन अब आसमान से फिर आग बरसने लगी है। दिन में लू चल रही है और रात में भी लोग गर्मी से बेहाल हैं। कृत्रिम उपकरणों के जरिए राहत पाने के लिए बिजली की मांग में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने जून तक के मौसम का जो पूर्वानुमान जारी किया है, उसके अनुसार पूर्वी-मध्य, उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में इस बार अधिक गर्मी पड़ेगी। जाहिर है कि आने वाले दिनों में तापमान और ज्यादा बढ़ने से आम लोगों की परेशानी भी बढ़ेगी। मगर सवाल है कि हर साल गर्मी, सर्दी और आंधी-बारिश के क्रम में इतना ज्यादा उतार-चढ़ाव क्यों आ रहा है? मौसम चक्र में इस बदलाव की वजह क्या है? क्या इसके पीछे प्राकृतिक कारण हैं या फिर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मानव गतिविधियां इसके लिए जिम्मेदार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी छ्दद्यद्धद्ध में बीते मंगलवार को पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक था। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर-पश्चिमी हवाएं राजस्थान के थार रेगिस्तान और मध्य पाकिस्तान के कुछ हिस्सों से दिल्ली की ओर बह रही हैं। विशाल शुष्क क्षेत्रों से गुजरते हुए ये हवाएं दिल्ली पहुंचते-पहुंचते बेहद शुष्क हो जाती हैं, जिससे गर्मी सतह के करीब बनी रहती है। इस बीच दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 7,776 मेगावाट से ज्यादा हो गई है, जो हाल के वर्षों की तुलना में मई में तेज वृद्धि को दर्शाती है। लोग गर्मी से राहत पाने के लिए पंखे, कूलर और एसी यानी एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करते हैं। मगर इस बात पर गौर नहीं किया जाता कि एसी से निकलने वाली हानिकारक गैसों से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, वहीं इनकी वजह से स्थानीय तापमान में भी बढ़ोतरी होती है। यानी जिन उपकरणों से घर को ठंडा रखने की कोशिश की जाती है, वही तापमान बढ़ने का कारण भी बनते हैं।

क्षेत्रीय दलों की ढीली होती पकड़

2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में एक बड़ा ट्रेंड साफ कर दिया है। क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है और मतदाता तेजी से राष्ट्रीय दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सत्ता का अंत और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित हार इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। तमिलनाडु में जहां नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीति में दमदार एंट्री की, वहीं यह भी साफ हुआ कि पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति पार्टियों का प्रभाव पहले से कमजोर हुआ है। तमिल पहचान और गौरव के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली डीएमके को सत्ता विरोधी लहर ने करारा झटका दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा। यह ये भी दिखाता है कि केवल क्षेत्रीयता की भावना चुनाव जिताने के लिए काफी नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिति कमोबेश यही है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा को चुनौती दे रही थीं, लेकिन भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया कर दिया और अगले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का क्या हो सकता है, यह समझाने के लिए किसी राजनीतिक विचारक की जरूरत नहीं है। हालांकि, तृणमूल के भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी सरकार का बजट एक अलग मुद्दा है, लेकिन अगर ममता जीत गई होतीं, तो वह हमेशा चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं। बनर्जी को भी घर भेज दिया गया है। यह सिर्फ इस राज्य में नहीं हुआ है। दो साल पहले भाजपा ने पड़ोसी ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल के 25 साल के शासन को इसी तरह खत्म कर दिया था।

नवीन पटनायक ने हमेशा भाजपा के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह पटनायक को हरा सकते हैं, तो भाजपा ने आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाया और घर में एक पुराने दोस्त को स्थापित किया। आश्चर्यचकित मत होइए। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना में केके रेड्डी। भाजपा ने दो क्षेत्रीय दलों चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रियों को भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। इन दोनों दलों ने संसद में समय-समय पर भाजपा की मदद की है। लेकिन जब समय आया तो भाजपा ने दोनों सहयोगियों को पीछे धकेल दिया। इतना ही नहीं, हमेशा से बीजेपी की मददगार रही और हमेशा विपक्ष की दोस्त रही चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को दिल्ली में शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बीजेपी ने जगन मोहन के विरोधी तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया और कर्नाटक में देवगौड़ा के सेक्युलर जनता दल को गिरा दिया, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी 10 साल तक दिल्ली की सत्ता में रही। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों को बांटकर बीजेपी ने इस बात की झलक दिखाई है कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है। इस सूची में बीएसपी को भी शामिल किया जा सकता है जो फिलहाल आप की तरह ही राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है पर 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर पड़ गई थी और अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में उसका आधार भी खिसकता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में बसपा का वोट शेयर 19.4% (2019) से गिरकर मात्र 9.39% (2024) रह गया। 2024 में इसने अपने सभी 10 सीटें गंवा दीं और शून्य पर सिमट गई। हालांकि इस बीच इसने मध्य प्रदेश में मामूली सुधार किया। यहां वोट शेयर 2019 के 2.38% से बढ़कर 2024 में 3.28% हो गया। क्षेत्रीय दलों के प्रति भाजपा की कितनी जुनूनी है, इस मामले में महाराष्ट्र का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है।भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत को भड़काकर शिवसेना और एनसीपी दोनों को कमजोर कर दिया। इन दोनों दलों के पास अब भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही 2029 में राज्य में आत्मबल का मंत्र दे चुके हैं। अगर ऐसा मौका मिलता है तो बीजेपी छूट जाएगी। अकाली दल (पंजाब), असम गण परिषद (असम) और गोवा में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया है।

1970 के दशक में भाषाई प्रांतीयतावाद के कारण क्षेत्रीय दलों का धीरे-धीरे उदय हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंतोष पैदा हुआ, बढ़ती क्षेत्रीय पहचान, कांग्रेस के सत्ता में रहने पर राज्यों की उपेक्षा हुई, दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान जल रही थी और क्षेत्रीय दलों के लिए माहौल बना था। द्रमुक ने 1967 में हिंदी मजबूरी के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता हासिल की, तब से लेकर राज्य में कल टीवी की जीत तक, द्रमुक और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में बिखरी हुई अन्नाद्रमुक का दबदबा बना हुआ है। फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा स्थापित तेलुगू देशम ने दो तिहाई से अधिक सीटें जीती हैं, जबकि मुंबई में शिवसेना 'हटाओ लुंगी' के नारे पर आगे बढ़ी है। गिरा दिया।

शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव तक, विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की जड़ें कांग्रेस में हैं। उस अर्थ में, यह कांग्रेस के पेड़ पर एक भ्रष्टाचार है, लेकिन इन नेताओं ने आंतरिक विरोध या दिल्ली की राजनीति से अपनी पार्टियां बनाईं। हालांकि सिमटते क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में कुछ अपवाद भी हैं। इसमें सबसे आगे झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसने नवंबर 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की। इंडिया गठबंधन के छत्र तले उसने अकेले 34 सीटें जीतीं, जबकि पूरे गठबंधन को 81 में से 56 सीटें मिली थीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2024 के चुनाव में कुल 90 सीटों में से 42 सीटें अकेले NC ने जीतीं। कांग्रेस (6 सीटें) और सीपीआईएम के साथ इस गठबंधन ने बहुमत (46+ सीटें) का आंकड़ा पार कर लिया। तो जेएमएम और नेशनल कान्फ्रेंस, दोनों ही दल अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं।

दरअसल, अगर देश के सभी भाजपा विरोधी दल एक साथ आ जाएं तो भाजपा के लिए उनका सामना करना मुश्किल है, इसका ताजा उदाहरण महिला आरक्षण और परिसीमन के संदर्भ में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंडिया अलायंस के रूप में सभी प्रमुख विपक्षी दलों के एक साथ लड़ने के परिणामस्वरूप 'चरसो पार' का नारा देने वाली भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई थी।

कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जो कांग्रेस विरोधी नारा भाजपा ने हमेशा उठाया है। आज, भाजपा की निरंकुशता का विरोध कांग्रेस और उसकी परिधि का एजेंडा है, जबकि कांग्रेस की निरंकुशता के खिलाफ विपक्षी एकता का विचार 1960 के दशक में दिग्गज समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित किया गया था। असली ताकत 1967 में कांग्रेस में विभाजन के बाद ही बढ़ी। उस चुनाव में कांग्रेस ने देश के आठ राज्यों में सत्ता गंवा दी थी।

2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो मोदी-शाह ने 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे के साथ इस दिशा में कदम उठाए। यही कारण है कि देश के 70 प्रतिशत से अधिक भूभाग पर वर्तमान में भाजपा या उसके सहयोगियों का शासन है। भाजपा ने दक्षिण भारत को छोड़कर देश के सभी हिस्सों में अपना आधार बना लिया है। पिछले 12 साल की सत्ता में रहने के बाद भी कांग्रेस भाजपा को क्यों नुकसान पहुंचा रही है, इस सवाल का जवाब उसे मिलने वाले वोटों के प्रतिशत में निहित है।

एक बार कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला होने के बाद भाजपा ने कई राज्यों में खुद को स्थापित कर लिया और फिर धीरे-धीरे इन दलों का सफाया कर दिया, जिसमें कांग्रेस और उनकी पार्टियों के नेता भी शामिल थे। लेकिन ये नतीजे इस बात को रेखांकित करते हैं कि कांग्रेस को अब लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज की जिम्मेदारी को और गंभीरता से लेना होगा।

विपक्ष एक तरफ वह संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है, दूसरी तरफ मतदाता राष्ट्रीय नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने 2024 में बेहतर प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन वह अभी तक खुद को बीजेपी के मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित नहीं कर पाई है। दक्षिण भारत अब भी क्षेत्रीय दलों का गढ़ माना जाता है, लेकिन वहां भी दबाव बढ़ रहा है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की हार इसका ताजा उदाहरण है। कुल मिलाकर 2026 के विधानसभा चुनाव नतीजे यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भारतीय राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां क्षेत्रीय पहचान की जगह राष्ट्रीय मुद्दे और नेतृत्व ज्यादा अहम हो गए हैं।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बुकिंग के 25 दिन बाद टंकी नहीं मिली, डीएससी नंबर आने के बाद भी एजेंसी ने नहीं दिया सिलेंडर

दैनिक इंदौर संकेत

धामनोद • धामनोद की इंडियन गैस एजेंसी के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर बुक किए 20 से 25 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें टंकी नहीं मिली। हद तो तब हो गई जब कुछ खास लोगों को बुकिंग के तुरंत बाद सिलेंडर थमा दिए गए। गांवों में तो हालत और भी खराब है, जहां हफ्तों से गैस की सप्लाई नहीं पहुंची है। लगातार आ रही शिकायतों को देखते हुए मनावर एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार राजेश भिंडे ने एजेंसी पर छापा मारा। वहां पहुंचते ही अधिकारियों ने देखा कि बड़ी संख्या में लोग अपनी गैस डायरी लिए परेशान खड़े थे। जांच में पता चला कि कई ग्राहकों के डीएससी नंबर आने के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं दिया गया, जबकि कुछ नए बुकिंग वालों को नियम ताक पर रखकर उसी दिन गैस दे दी गई।अधिकारियों को जांच में एजेंसी के स्टॉक बोर्ड पर भी गड़बड़ी मिली, जिसे समय पर अपडेट नहीं किया गया था। पूरी बांटने की प्रक्रिया में धांधली और लापरवाही पाए जाने पर नायब तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट बड़े अधिकारियों को भेज दी है। दूसरी तरफ, परेशान उपभोक्ताओं ने साफ कह दिया है कि अगर जल्द ही सबको समय पर गैस नहीं मिली, तो वे चक्काजाम और उग्र आंदोलन करेंगे।

मनावर-ओंकारेश्वर नहर का पानी अंतिम छोर तक पहुंचा

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मनावर में ओंकारेश्वर नहर परियोजना का पानी बुधवार को अपने अंतिम छोर तक पहुंच गया है। कार्यपालन यंत्री आलोक चौबे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पानी की टेस्टिंग का काम भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। भारतीय किसान संघ की मांग को देखते हुए विभाग ने दोनों मुख्य नहरों से पानी छोड़ने का निर्णय लिया था। परियोजना के चतुर्थ चरण के तहत नर्मदा का पानी मुख्य और सहायक नहरों के जरिए खेतों तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री के अनुसार, उप-नहरों के माध्यम से पानी का वितरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों किसानों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। निमाड़ क्षेत्र में मानसून से पहले ही फसलों की बुवाई हो चुकी है, ऐसे में किसानों को सिंचाई के लिए पानी की सख्त जरूरत थी। इस परियोजना से धार जिले के चार ब्लॉक-मनावर, उमरबन, धरमपुरी और निसरपुर के कुल 119 गांवों में सिंचाई और पेयजल का संकट खत्म होगा। चतुर्थ चरण में मनावर के 51, उमरबन के 21, धरमपुरी के 29 और निसरपुर ब्लॉक के 13 गांव शामिल हैं। नहर से पानी की यह सप्लाई बारिश शुरू होने तक निरंतर जारी रहेगी। नहर में पानी आने से न केवल फसलों को जीवनदान मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की नदियों, तालाबों, कुओं और बोरिंग के जलस्तर में भी सुधार होगा। इससे मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता तय होगी और गांवों में पीने के पानी की किल्लत दूर होगी। नहर पहुंचने पर स्थानीय किसानों ने राहत की सांस ली है।

जलसंकट पर फूटा लोगों का गुस्सा, प्रदर्शन के बाद

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जलसंकट को लेकर लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। टेमला और कसरावद विधानसभा क्षेत्र के बोरावां में पेयजल समस्या को दूर करने के लिए नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बुधवार दोपहर बोरावां पंचायत में महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर घेराव किया था। इसके बाद प्रशासन ने ऊंचाई वाले क्षेत्र तक पानी पहुंचाने के लिए करीब 1200 फीट लंबी नई पेयजल पाइपलाइन डालने का फैसला लिया है। सरपंच कृष्णलाल राठौड़ ने कहा कि लोगों की परेशानी को देखते हुए यह मुद्दा उठाया गया। वहीं पंचायत सचिव प्रवीण यादव ने बताया कि जलस्तर गिरने के कारण पानी का प्रेशर नहीं बन पा रहा था, जिससे सप्लाई प्रभावित हुई। नई लाइन के लिए सर्वे कर लिया गया है और जल्द काम शुरू होगा। उधर, टेमला गांव में पानी की समस्या से परेशान महिलाओं ने खरगोन-ठीकरी रोड पर बर्तन रखकर चक्काजाम किया था। महिलाओं ने पंचायत सचिव रमेश पाटीदार पर खराब प्रबंधन का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। चलते दो मोटर पंप जल गए, जिससे पेयजल संकट और गहरा गया। पंचायत सचिव ने बताया कि दोनों मोटर पंपों की मरम्मत कर उन्हें दोबारा लगाया जा रहा है, ताकि जल्द पानी की सप्लाई बहाल की जा सके।

रोशनी में 1.36 करोड़ का इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर शुरू, 160 आदिवासी महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में बुधवार को जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह ने 1.36 करोड़ रुपए लागत से तैयार इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर का लोकार्पण किया। इस परियोजना का उद्देश्य आदिवासी महिलाओं को मछली पालन, पशुपालन, उद्यानिकी और जैविक खेती से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नागार्जुन गौड़ा सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'लखपति दीदी' अवधारणा को साकार करने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में इस तरह के मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम रोशनी में तैयार यह क्लस्टर स्व-सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार और आय का स्थायी साधन उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि यहां महिलाएं मछली पालन, बत्तख पालन, फल-सब्जी उत्पादन और पशुपालन जैसी गतिविधियों के जरिए नियमित आय अर्जित कर सकेंगी। इससे न सिर्फ महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि उनके परिवारों का जीवन स्तर भी बेहतर होगा। मंत्री शाह ने कार्यक्रम में एक और बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि ग्राम रोशनी में 19.78 करोड़ रुपए लागत से 'सामुदायिक कला भवन सह प्रशिक्षण केंद्र' बनाया जाएगा। इस केंद्र में 50-50 सीटों वाले महिला और पुरुष छात्रावास तैयार किए जाएंगे। साथ ही आदिवासी युवाओं को लोक गायन, वादन, पारंपरिक लोकनृत्य, चित्रकला और अन्य सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भवन में विभिन्न कलाओं के 50 प्रशिक्षकों के ठहरने के लिए ट्रांजिट हॉस्टल की व्यवस्था भी रहेगी। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि इस इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर से जुड़ी 150 से अधिक महिलाओं को मछली पालन, पौधारोपण, पशुपालन और अन्य गतिविधियों का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आय बढ़ने से परिवार और गांव दोनों खुशहाल बनेंगे।

अमलपुरा वेयरहाउस में गेहूं तुलाई में देरी से किसान परेशान, सिंगाजी परियोजना में रोजगार पर संकट

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • बुधवार को किसानों और श्रमिकों से जुड़े दो अलग-अलग मुद्दों को लेकर कांग्रेस सक्रिय नजर आई। एक ओर खंडवा विधानसभा के ग्राम अमलपुरा वेयरहाउस में गेहूं तुलाई में हो रही देरी को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी किसानों के बीच पहुंचे, वहीं दूसरी ओर सिंगाजी ताप विद्युत गृह परियोजना में जारी मेगा कॉन्ट्रैक्ट के विरोध में स्थानीय श्रमिकों के पक्ष में अधिकारियों से चर्चा की। बुधवार को ग्राम अमलपुरा स्थित वेयरहाउस में बड़ी संख्या में किसान गेहूं तुलाई नहीं होने की समस्या से परेशान नजर आए। किसानों का कहना था कि कई दिनों से उपज की तुलाई नहीं होने से उन्हें आर्थिक और व्यवस्थागत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वेयरहाउस में अनाज भरे होने और व्यवस्थाओं की कमी के कारण तुलाई प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। सूचना मिलने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी मौके पर पहुंचे और किसानों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले और जिला सहकारी बैंक के एमडी से चर्चा कर किसानों की समस्या के तत्काल समाधान की मांग की। चर्चा के दौरान डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस की भंडारण क्षमता भर जाने के बाद भी किसानों की उपज की तुलाई उसी स्थान पर कराई जाए और बाद में

परिवहन के माध्यम से अनाज आगे भेजा जाए, ताकि किसानों को बार-बार परेशान न होना पड़े। किसानों ने प्रशासन और कांग्रेस प्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद राहत की उम्मीद जताई। इसी दिन कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने दोंगालिया स्थित सिंगाजी ताप विद्युत गृह परियोजना में प्रस्तावित मेगा कॉन्ट्रैक्ट को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चीफ इंजीनियर से मुलाकात कर स्थानीय ठेका श्रमिकों की समस्याएं उठाईं और श्रमिकों द्वारा दिए गए ज्ञापन का समर्थन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा जारी मेगा कॉन्ट्रैक्ट में मजदूरों की संख्या वास्तविक आवश्यकता से कम दिखाई गई है, जबकि पिछले करीब 10 वर्षों से बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक विभिन्न विभागों में लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि नया कॉन्ट्रैक्ट लागू होने पर सैकड़ों श्रमिक बेरोजगार हो सकते हैं।

बालक वर्ग मे हॉकी फीडर सेन्टर व बालिका वर्ग मे ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर अगले दौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर व हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजित ओलंपियन मेजर ध्यानचंद दादा सेवन साइडर जिला स्तरीय बालक व बालिकाओ की हॉकी स्पर्धा मे आज दो मैच खेले गए पहला मैच बालक वर्ग मे हॉकी फीडर सेन्टर व नेहरू यूथ क्लब के बीच खेला गया जिसमें हॉकी फीडर सेन्टर 2-0 से विजय रही विजय टीम की ओर से अर्पित व श्रीराम ने एक एक गोल किए किए । दूसरा मैच बालिका वर्ग मे ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर व मॉ अहिल्या क्लब के बीच खेला गया जिसमें ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर 1-0 से विजय रही विजय टीम की ओर से एकमात्र गोल स्वाति शर्मा ने किया।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और सीएसके में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी) • आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को अहमदाबाद में भिड़ेगी। टीम प्वॉइंट्स टेबल में टॉप 2 में अपनी जगह बनाने के खातिर इस मैच में अपना सबकुछ झोंकने की कोशिश करेगी। गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है। इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है। इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अगर गुजरात टाइटंस सीएसके के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (+1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है। वही पिछले मैच में सनराइजर्स के हाथों हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। ऐसे में पांच बार की पूर्व चैंपियन सीएसके सत्र के अपने संभावित अंतिम मैच में प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेगी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

लक्ष्य सेन उलटफेर का शिकार, प्रणय भी बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत के लिए मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में निराशाजनक दिन में मालविका बंसोड़ और अश्मिता चालिहा ही उम्मीद की किरण बनकर उभरीं, जिन्होंने महिला सिंगल्स में शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं मालविका ने जर्मनी की दुनिया की 52वें नंबर की खिलाड़ी यवोन ली को 21-17, 16-21, 21-9 से शिकस्त दी। अश्मिता ने इंडोनेशिया की दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी थालिता रमाधनी विरियावान पर 21-16, 21-13 से आसान जीत दर्ज की। अब मालविका डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से भिड़ेंगी, जबकि अश्मिता का सामना मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। पुरुष सिंगल्स में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद और आठवें वरीय लक्ष्य सेन को इंडोनेशिया के दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद जकी उबैदुल्लाह के खिलाफ 17-21, 11-21 से उलटफेर का सामना करना पड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके बाद 2023 एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय को भी जापान के छठे वरीय कोदाई नाराओका के खिलाफ मुकाबले में 17-21, 22-20, 22-24 से हार का सामना करना पड़ा।

जियो हॉटस्टार पर 'प्रीतम एंड पेड्रो' का प्रीमियर 3 जुलाई से

मुंबई (एजेंसी) • 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ राजकुमार हिरानी अपना बहुप्रतीक्षित स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रहे हैं, जिसमें उनकी खास पहचान - गर्मजोशी, भावनाएं और मानवीय कहानी कहने का अंदाज़ - पहली बार लंबे फॉर्मेट की दुनिया में देखने को मिलेगा। यह सहयोग सिनेमाई कहानी कहने और बड़े स्तर के स्ट्रीमिंग मनोरंजन के एक रोमांचक संगम का संकेत भी है, जो दर्शकों को एक नया और इमर्सिव अनुभव देने का वादा करता है। जियोस्टार के हिंदी और इंग्लिश एंटरटेनमेंट बिज़नेस (स्ट्रीमिंग, टीवी और स्टूडियोज) के प्रमुख आलोक जैन ने कहा: 'राजकुमार हिरानी की कहानियों में हमेशा एक दुर्लभ क्षमता रही है, जो दर्शकों को हल्का महसूस कराने के साथ-साथ उन्हें अपने आसपास के लोगों और दुनिया से गहराई से जोड़ देती है। यही भावनात्मक सहजता उनकी कहानी कहने की शैली को पीढ़ियों तक यादगार बनाती है। 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ यह बेहद मानवीय दृष्टिकोण पहली बार स्ट्रीमिंग की दुनिया में प्रवेश कर रहा है, ऐसे फॉर्मेट में जहां दर्शक इन किरदारों और उनकी दुनिया के साथ कहीं अधिक करीब से जुड़ सकेंगे। हमें खुशी है कि हम दर्शकों के लिए एक ऐसी कहानी ला रहे हैं, जो एक साथ आत्मीय, प्रेरणादायक और हर किसी से जुड़ने वाली महसूस होती है।' इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए राजकुमार हिरानी ने कहा: 'मुझे हमेशा ऐसी कहानियां पसंद रही हैं, जहां बिल्कुल अलग-अलग लोग एक साथ आने और जिंदगी को अप्रत्याशित तरीकों से जीने के लिए मजबूर हो जाते हैं। 'प्रीतम एंड पेड्रो' में उसी तरह का हास्य, गर्मजोशी और पागलपन है। लंबे फॉर्मेट ने हमें किरदारों के साथ अधिक समय बिताने और उनकी यात्रा को गहराई से समझने का अवसर दिया।

समाज को महत्वपूर्ण संदेश देने की कोशिश है वेब सीरीज: महवश

मुंबई (एजेंसी) •अपनी आगामी वेब सीरीज सतरंगी: बदले का खेल की रिलीज को लेकर अभिनेत्री महवश उत्साहित हैं। वेब सीरीज में उत्तर भारत की पारंपरिक लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति आधारित भेदभाव को दिखाया गया है। अभिनेत्री का कहना है कि यह सीरीज केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देने की कोशिश भी करती है। एक बातचीत के दौरान महवश ने बताया कि जैसे ही उन्होंने इस सीरीज की कहानी सुनी, उन्होंने तुरंत इसके लिए हामी भर दी थी। अभिनेत्री के मुताबिक कहानी में समाज की उन सच्चाइयों को दिखाया गया है, जिन्हें उन्होंने खुद अपने आसपास देखा और महसूस किया है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी महवश ने कहा कि वह इस दुनिया और इसके संघर्षों को करीब से समझती हैं, इसलिए इस किरदार से खुद को आसानी से जोड़ पाईं। उन्होंने कहा कि उनके किरदार में कई भावनात्मक परतें हैं और एक कलाकार के तौर पर ऐसे जटिल किरदार निभाना हमेशा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होता है। सीरीज का ट्रेलर भी यह संकेत देता है कि कहानी सिर्फ बदले की नहीं, बल्कि पहचान, सम्मान और न्याय की लड़ाई को भी सामने लाती है। महवश ने कहा कि आज भी समाज में लोगों को उनके नाम और जाति के आधार पर परखा जाता है। जातिगत हिंसा और भेदभाव अब भी समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि सीरीज के जरिए यही दिखाने की कोशिश की गई है कि जिन चीजों पर किसी इंसान का नियंत्रण नहीं होता, उन्हीं वजहों से उसे कितनी कठिनाइयों और अपमान का सामना करना पड़ता है। अभिनेत्री को उम्मीद है कि यह कहानी लोगों को सोचने पर मजबूर करेगी और समाज में बदलाव लाने की दिशा में योगदान देगी।

उज्जैन संभाग

ब्रिज निर्माण काम से नाराज संभागायुक्त का एक्शन, निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए शिप्रा नदी के तट पर भीड़ नियंत्रण और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए नए ब्रिजों का निर्माण किया जा रहा है। संत महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान को ध्यान में रखते हुए यह कार्य तेजी से कराया जा रहा है। संभागायुक्त और कलेक्टर ने किया निरीक्षण बुधवार को संभाग आयुक्त और सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह तथा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिप्रा तट पर चल रहे ब्रिज निर्माण की प्रगति की जानकारी ली।

अंगारेश्वर-सिद्धवट ब्रिज पर नाराजगी श्री अंगारेश्वर मंदिर से सिद्धवट मंदिर को जोड़ने वाले ब्रिज निर्माण की गति धीमी पाए जाने पर संभागायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए।

क्वालिटी कंट्रोल लैब का निरीक्षण निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण स्थल पर मौजूद क्वालिटी कंट्रोल लैब का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की जांच कर रिपोर्ट नियमित रूप से रजिस्टर में दर्ज की जाए। अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा कलेक्टर और मेला अधिकारी ने इंदौर रोड स्थित डी मार्ट के सामने रोड निर्माण और त्रिवेणी हिल्स से सिकंदरी के बीच शिप्रा तट पर चल रहे ब्रिज निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सभी कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

मंदिरों के कर्मचारियों को विनम्रता की ट्रेनिंग देने के निर्देश, कलेक्टर बोले- भक्तों से व्यवहार विनम्र रखें

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं को लेकर बुधवार शाम महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में मंदिर प्रशासकों को निर्देश दिए गए कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ मंदिर कर्मचारी विनम्र व्यवहार करें और मंदिरों में प्राप्त दान राशि का उपयोग भक्तों की सुविधाएं बढ़ाने में किया जाए। कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर कक्ष में आयोजित बैठक में श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक, काल भैरव मंदिर के प्रशासक एल.एन. गर्ग, मां गढ़कालिका मंदिर, मां हरसिद्धि माता मंदिर और मंगलनाथ मंदिर के प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि मंदिरों में श्रद्धालुओं को सरल और सुलभ दर्शन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि मंदिर कर्मचारियों को श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाए। बैठक में भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों से कहा गया कि क्राउड मूवमेंट के दौरान क्रॉस मूवमेंट न हो, जूता स्टैंड व्यवस्थित तरीके से संचालित किए जाएं और आवश्यक संकेतक लगाए जाएं। अफवाहों को रोकने के लिए पीए सिस्टम लगाने तथा हर समय मंदिर परिसर में जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि भीड़ का अनावश्यक दबाव न बने, इसके लिए श्रद्धालुओं तक समय पर सही सूचना पहुंचाई जाए। मंदिर परिसरों में भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग की व्यवस्था रखने और मंदिरों के बैंक खातों में जमा धनराशि का उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने में करने के निर्देश भी दिए गए। मंगलनाथ मंदिर के प्रशासक को सुबह के समय भीड़ अधिक रहने के कारण अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने, शीघ्र दर्शन काउंटर मंदिर के मुख्य भाग के सामने स्थापित करने तथा होल्डिंग एरिया चिन्हित करने के निर्देश दिए गए।

गढ़कालिका मंदिर का 15.50 करोड़ से होगा कायाकल्प, सिंहस्थ से पहले बढ़ाई जाएगी मंदिर की क्षमता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • गढ़कालिका देवी मंदिर और परिसर के विकास के लिए 15.50 करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य सिंहस्थ 2028 से पहले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और मंदिर की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखना है। उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा इस कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उज्जैन धार्मिक आस्था और संस्कृति की नगरी है, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु महाकाल, काल भैरव और गढ़कालिका मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। गढ़कालिका मंदिर को उज्जैन की उत्तरी सीमा का रक्षक और एक प्राचीन

शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि महाकवि कालिदास मां गढ़कालिका के परम भक्त थे। मंदिर का ऐतिहासिक जीर्णोद्धार सम्राट हर्ष और बाद में परमार राजाओं द्वारा करवाया गया था। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर की क्षमता बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में प्रतिदिन 3 से 5 हजार श्रद्धालुओं की क्षमता वाले परिसर को बढ़ाकर 10 से 12 हजार श्रद्धालुओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। सिंहस्थ के दौरान 50 हजार लोगों की भीड़ को संभालने की तैयारी की जाएगी। परियोजना के तहत मंदिर के शिखर को मजबूत किया जाएगा, चूना प्लास्टर का नवीनीकरण होगा और मंदिर के अग्रभाग को आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए छायादार प्रतीक्षालय, आधुनिक कतार प्रबंधन प्रणाली, पेयजल और स्वच्छ शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

अग्नि के बीच में बैठे बालयोगी नाथ महाराज, 41 दिन ऐसे ही रहेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • 41 दिवसीय पंच धूनी तपस्या बुधवार से शुरू हो गई है। सद्गुरु योगेंद्र शीलनाथ महाराज के धूनी परिसर में बालयोगी संतोष नाथ महाराज 42 डिग्री से अधिक तापमान के बीच धधकती अग्नि के चारों ओर शांत मुद्रा में साधना कर रहे हैं।

यह 41 दिवसीय पंच धूनी और खड़ी तपस्या बुधवार से शुरू हुई है। धधकती अग्नि के बीच तप कर रहे महाराज को देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे परिसर में धूनी की सुगंध के बीच वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक नजर आ रहा है।

नाथ संप्रदाय के गादीपति महंत बालयोगी संतोष नाथ महाराज हरियाणा के हिसार जिले के सुल्तानपुर गांव से आए हैं। वे पिछले 19 सालों से तप साधना कर रहे हैं और 30 साल से अन्न ग्रहण नहीं किया है। वे प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2.15 बजे तक पंच धूनी साधना करते हैं। तपस्या के पहले दिन महाराज ने 28-28 कंडों के बीच साधना शुरू की। धूनी की गर्मी इतनी तेज थी कि आसपास खड़े लोगों को भी पीछे हटना पड़ा, लेकिन महाराज पूरे समय एकाग्र होकर साधना में लीन रहे।

श्रद्धालुओं के अनुसार, यह साधना सामान्य नहीं है। तपस्या के दौरान महाराज 24 घंटे खड़े रहेंगे। बताया जा रहा है कि हर दिन धूनी में कंडों की संख्या बढ़ाई जाएगी। 41 दिनों तक चलने वाली इस साधना में करीब 20 से 25 हजार कंडों का उपयोग होगा। महाराज इसके लिए अपने साथ हरियाणा से दो कंटेनर भरकर कंडे लेकर आए हैं।

धूनी परिसर में मौजूद लोगों के बीच इस तपस्या को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया। गर्म हवा और जलती अग्नि के बीच भी लोग देर तक परिसर में डटे रहे और हाथ जोड़कर महाराज का आशीर्वाद लेते रहे।

बालयोगी संतोष नाथ महाराज ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल जनकल्याण और विश्व शांति की कामना है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 19 वर्षों से पंच धूनी तपस्या कर रहे हैं और करीब 30 वर्षों से अन्न ग्रहण नहीं किया है।

नाथ संप्रदाय में पंच धूनी तपस्या को बेहद कठिन साधना माना जाता है। सुल्तानपुर स्थित करीब 800 वर्ष पुराने शीलनाथ गुरु गादी मठ से जुड़ी यह परंपरा आज भी साधकों के बीच विशेष महत्व रखती है।

वर्षा जल को सहेजने के लिए लोगों को कर रहे जागरूक

घरों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर पानी बचाने की अपील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में लगातार गिरते भूजल स्तर और बढ़ते जल संकट को देखते हुए इंदौर नगर निगम ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नागरिकों से अपने घरों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की अपील करते हुए कहा है कि वर्षा जल संरक्षण ही भविष्य के जल संकट का सबसे प्रभावी समाधान है।

भूजल स्तर में लगातार गिरावट – महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि एक समय इंदौर को 'मालवा माटी गहन गंभीर, पग-पग रोटी, डग-डग नीर' के नाम से जाना जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भूजल स्तर में लगातार गिरावट आई है। इसके कारण कई क्षेत्रों में बोरिंग सूख गए हैं और कई स्थानों पर पानी का स्तर काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन कर ही भूजल स्तर बढ़ाया जा सकता है।

निगम चला रहा जागरुकता अभियान– नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही नागरिकों को भी अपनी छतों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। निगम द्वारा इसके लिए व्यापक जनजागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

तीन हजार से अधिक भवनों में लगे सिस्टम निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भीषण गर्मी और आंशिक जल संकट की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बीते दो महीनों में शहर के 3000 से अधिक भवनों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा चुके हैं।

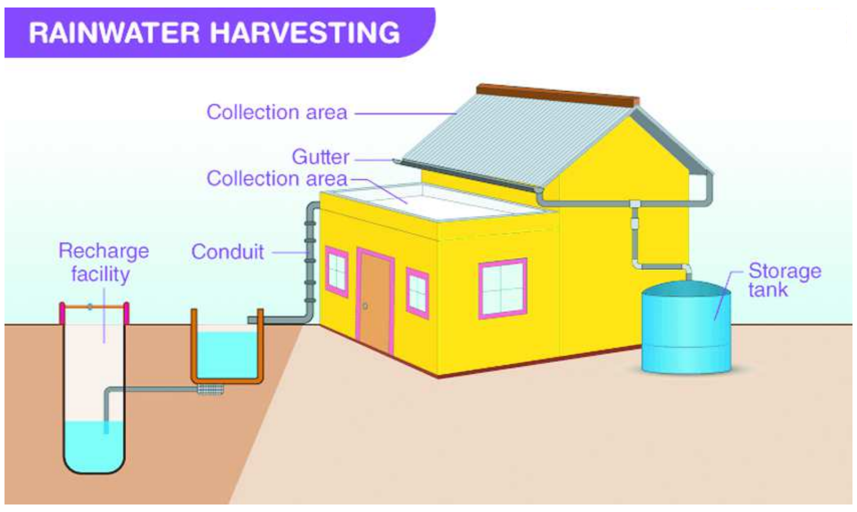

मेयर 311 पर कर सकते हैं आवेदन– आयुक्त सिंघल ने कहा कि नगर निगम द्वारा वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए फिल्टर उपलब्ध होने की स्थिति में निःशुल्क दिए जाएंगे। नागरिक ऑनलाइन 'मेयर 311 हेल्पलाइन' पोर्टल अथवा अपने नजदीकी जोनल कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वर्षा के जल का सही तरीके से संचयन किया जाए तो यह एक वर्ष में उपयोग होने वाले पानी के बराबर हो सकता है।

पेम्पलेट्स बांटकर किया जा रहा जागरूक नगर निगम द्वारा शहरभर में पेम्पलेट्स वितरण, प्रचार-प्रसार और जनजागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। निगम का उद्देश्य हर घर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कर भूजल स्तर बढ़ाना और भविष्य के जल संकट को कम करना है।

क्या करें

छत और पाइपों की नियमित सफाई रखें।
फर्स्ट फ्लश और फिल्टर सिस्टम लगाएं।
संचयन टैंक को ढंककर रखें।
साफ और सुरक्षित सामग्री का उपयोग करें।

क्या न करें

जहरीले पेंट वाली छतों का पानी संग्रहित न करें।
गंदे पानी को मुख्य टैंक में नजाने दें।
बिना शुद्ध किए पानी का उपयोग न करें।
टैंक और फिल्टर की सफाई में लापरवाही न करें।

डीए विवि में बढ़ रही अप्रिय घटनाएं मेंबर ने राज्यपाल और कुलाधिपति को पत्र लिखा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में बढ़ती अप्रिय घटनाओं को लेकर कार्यपरिषद सदस्य भी चिंतित है। कार्यपरिषद सदस्य डॉ. वैशाली वायकर ने राज्यपाल व कुलाधिपति को पत्र लिखा। इसमें बताया कि विश्वविद्यालय में कुछ समय से सतत अप्रिय घटनाएं घटित हो रही हैं। कार्यपरिषद सदस्यों की ओर से समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य समस्याओं को लेकर प्रश्न उठाए जाते रहे हैं, विवि प्रशासन को अवगत करवाया गया, लेकिन प्रशासन ने इस संबंध में अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की स्थितियां बिगड़ती जा रही है। इस कारण विवि की छवि धूमिल हो रही है। आईईटी के छात्रों ने हॉस्टल में तोडफ़ोड़ की, लेकिन उस समय सुरक्षा व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारी, वॉर्डन आदि सभी की लापरवाही सामने आती है। उन्होंने पत्र में यह भी जिक्र किया कि विवि प्रशासन को तमाम समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के सुझाव दिए गए, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

इसके पूर्व भी कई घटनाएं हुई

- प्राध्यापक व कर्मचारियों के साथ अभद्रता व मारपीट की घटना
- परिसर में वाहनों की चोरी के प्रकरण
- छात्रावासों के आसपास छात्राओं से छेड़खानी
- बाहरी तत्वों की विश्वविद्यालय परिसर में गुंडागर्दी व नशाखोरी
- परिसर में खराब प्रकाश व्यवस्था सीसीटीवी व्यवस्था का न होना
- विभागों में, छात्रावासों में खराब सफाई व्यवस्था।

एमपी हनी ट्रेप पार्ट-2 : इस बार श्वेता विजय जैन नहीं, उसकी चेली रेशू उर्फ अभिलाषा के पास हैं बड़े नेताओं के वीडियो

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इसी साल अप्रैल में हुई मारपीट की एक घटना ने इंदौर से लेकर भोपाल तक पुलिस की नींद उड़ा दी। उच्च स्तर से मिले निर्देशों के बाद जब जांच हुई तो इस घटना ने एमपी हनी ट्रेप पार्ट 2 के तार खोल दिए... 28 अप्रेल की रात इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर कारोबारी हितेंद्र चौहान की कार के पास अचानक एक गाड़ी रुकी और वहां मौजूद लोगों ने उन्हें पकड़कर मारपीट कर दी। इसके बाद उनके फोटो और वीडियो दिखाकर एक करोड़ रुपए की मांग रखी गई। उन्हें चेतावनी दी गई है कि पार्टनरशिप नहीं ली तो उन्हें गोली मार दी जाएगी। जब इस घटना की जांच हुई तो पता चला कि मामला इतना सीधा भी नहीं है। दरअसल इस घटना से मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हनी ट्रेप का नाम गूंजने वाला है, जिसे आप एमपी हनी ट्रेप पार्ट 2 कह सकते हैं।

हनी ट्रेप कांड-1 के लिए आपको संक्षेप में याद दिला दें कि सितंबर 2019 में जब पहला हनी ट्रेप कांड सामने आया था, तब पूरा प्रदेश हिल गया था। उस मामले में नेताओं, अफसरों और कारोबारियों के वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग की बात सामने आई थी। उस केस की मुख्य किरदार श्वेता विजय जैन अब सात साल बाद फिर एक नए कांड में सामने आई है।

क्या था 2019 का हनी ट्रैप कांड, जिसने हिला दी थी मध्य प्रदेश की राजनीति?

इस बार मामला और भी बड़ा और संगीन बताया जा रहा है। मई 2026 में यह नया मामला इंदौर क्राइम ब्रांच में दर्ज हुआ। लेकिन इसके पीछे की कहानी काफी लंबी है। इसे

समझने के लिए उन किरदारों को जानना जरूरी है, जिन्होंने मिलकर एक पूरा नेटवर्क खड़ा किया।

एमपी हनी ट्रेप पार्ट 2 की शुरुआत कहां से हुई?

इंदौर के बाणगंगा इलाके में रहने वाले 45 साल के शराब कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान उर्फ चिंटू ठाकुर की शिकायत से यह पूरा मामला खुला है। उनका द्वारकापुरी की रहने वाली अलका दीक्षित से पुराना परिचय था। लेकिन चौहान को नहीं पता था कि अलका दीक्षित के खिलाफ पुलिस रिकॉर्ड में 17 से ज्यादा संगीन मुकदमे दर्ज हैं। वह अवैध शराब और ड्रग्स तस्करी में लिप्त एक शातिर महिला है।

अलका ने साजिश के तहत चौहान की मुलाकात लाखन चौधरी से कराई। लाखन खुद को बड़ा उद्योगपति बताता था और देवास, खंडवा और धार जैसी जगहों पर प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। उसे भाजपा का एल्डरमैन भी बताया जाता है।

मुलाकातें बढ़ीं तो लाखन ने चौहान को अपने प्रॉपर्टी कारोबार में चिंटू को 50 फीसदी की हिस्सेदारी देने का प्रस्ताव रखा। चिंटू यानी चौहान ने इसे घाटे का सौदा बताकर मना कर दिया। इसके बाद से ही दोनों पार्टियों में खटास आ गई।

सुपर कॉरिडोर पर धमकी, फिर डर का माहौल

इसके बाद जब चौहान ने मना किया तो 28 अप्रैल की रात करीब 11.15 बजे उसे सुपर कॉरिडोर पर घेर लिया गया। अलका अपने बेटे जयदीप और लाखन चौधरी के साथ आई थी। तीनों ने चौहान के साथ मारपीट की। फिर उसे वीडियो और फोटो जारी करने की धमकी दी। इस दौरान एक करोड़ रुपए की रंगदारी भी मांगी गई। साथ में यह भी कहा गया कि अगर नहीं माना, तो गोली मार देंगे।

अलका की एक लाइन से उड़ गए सबके होश

इस घटना में अलका के मुंह से निकले एक बयान ने इंदौर से लेकर पूरे सिस्टम के होश उड़ा दिए।

दरअसल चिंटू खुद बाहुबली है। सुपर कॉरिडोर पर लड़ाई के दौरान उसने अलका से कहा था कि तू जानती नहीं मैं कौन हूं और किन बड़े लोगों से जुड़ा हूं। इस पर अलका ने जवाब दिया कि जानती हूं किन नेताओं से जुड़ा है और तेरे उन बाप लोगों के भी वीडियो हमारे पास हैं।

'कुमार विश्वास' के नाम पर 'द्वारका', 'वृंदावन', 'मथुरा' 'कोडवर्ड' में 'पास बिक्री का कारोबार'!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर •इन्दौर के फीनिक्स मॉल में' आगामी 30 और 31 मई को होने वाले 'कान्हा महोत्सव' को लेकर अब धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन से ज्यादा 'पास वसूली मॉडल' की चर्चाएं तेज हो गई हैं.... सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पोस्टर में 'श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला' के नाम से आयोजन प्रचारित किया जा रहा है..., लेकिन अंदरखाने चल रही चर्चाओं में पूरा मामला एक निजी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के आर्थिक मॉडल की तरह देखा जा रहा है...

पोस्टर में प्रख्यात कवि एवं वक्ता डॉ कुमार विश्वास के कार्यक्रम 'अपने-अपने श्याम' के लिए बाकायदा श्रेणीवार प्रवेश राशि तय की गई है.... 'द्वारका' वीवीआईपी पास 4000, 'वृंदावन' वीआईपी पास 2000 और 'मथुरा'

तश्वद्यस्त्र पास 1000 में बेचे जाने की जानकारी खुलेआम प्रसारित हो रही है.... इतना ही नहीं, 'एक व्यक्ति-एक पास' और 'दोनों दिन मान्य' जैसे व्यावसायिक नियम भी उसी अंदाज में जारी किए गए हैं जैसे किसी कॉर्पोरेट इवेंट या टिकटेड शो में होते हैं....! अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि यह समाज का सांस्कृतिक-धार्मिक आयोजन है तो फिर प्रवेश शुल्क के नाम पर यह खुली वसूली क्यों...! सूत्र बताते हैं कि समाज से जुड़े कुछ 'मिले-जुले चेहरे' इस पूरे आयोजन में कथित तौर पर 'कोऑर्डिनेटर' नहीं बल्कि 'पास ब्रोकर' की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं... समाज के ग्रुपों और निजी संपर्कों के जरिए पास उपलब्ध करवाने का संदेश फैलाया जा रहा है... लेकिन जब हिसाब-किताब, अनुमति और राशि के वैधानिक पक्ष पर सवाल उठे तो कई जिम्मेदारों ने खुद को 'अनजान' बताकर पल्ला झाड़ लिया....यानी प्रचार समाज के नाम पर...भीड़ समाज के नेटवर्क से।

गर्मी से हल्की राहत: दो दिनों में 3 डिग्री लुढ़का दिन का पारा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर •मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है, लेकिन इंदौर में दो दिनों से गर्मी से हल्की राहत है। पिछले 48 घंटों में दिन के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। रात का तापमान दो दिनों से स्थिर है और पहले की तुलना में गर्मी का असर कम है। गुरुवार सुबह से धूप चढ़ने के साथ गर्मी का असर शुरू हो गया है। अनुमान है कि आज पारा 41-42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इंदौर में सोमवार को दिन का तापमान 44.3 (+4)

डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया और लोग भीषण गर्मी में हलाकान होते रहे। मंगलवार को गर्मी के तेवर कुछ ठंडे रहे और तापमान 2 डिग्री कम होकर 42.7 (+2) डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार को इसमें और गिरावट आई और तापमान 41.1 (+1) डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे लोगों को राहत रही। रात का तापमान दो दिनों से स्थिर है। बुधवार रात तापमान 26.3 (+1) डिग्री सेल्सियस रहा। इस तरह दिन और रात में गर्मी से बेचैनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 23 मई तक के लिए गर्मी का फोरकास्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि चार दिन तक पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहेगा, यानी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

एमपीपीएससी : पद बढ़ने के बावजूद आवेदनों की संख्या में भारी गिरावट

2024 के मुकाबले 2026 के लिए करीब 50 हजार कम अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, भर्ती प्रक्रिया में देरी और कम पदों से अभ्यर्थियों में चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा परीक्षा फिर चर्चा में है। आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा-2026 के लिए करीब 155 पद घोषित किए। पद बढ़ने के बावजूद आवेदन संख्या में भारी गिरावट देखी गई। जहां वर्ष 2025 में करीब 158 पद के लिए 1 लाख 18 हजार के लगभग आवेदन प्राप्त हुए, वहीं वर्ष 2024 में केवल 110 पदों के लिए करीब 1 लाख 83 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। इसका मतलब 2026 में वर्ष 2024 के मुकाबले 45 पद अधिक होने के बाद भी आवेदन संख्या घटकर लगभग 1 लाख 33 हजार रह गई है। यानि करीब 50 हजार कम अभ्यर्थियों ने आवेदन किया।

कम पद, लंबी प्रक्रिया ने बढ़ाई निराशा– जानकारों ने बताया कम पदों और लंबी भर्ती प्रक्रिया ने छात्रों में निराशा बढ़ाई है। परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति के बीच कई बार वर्षों का अंतराल हो जाता है, जिससे उम्मीदवारों का मनोबल प्रभावित होता है। यही कारण है कि आवेदन संख्या में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने बताया आयोग की परीक्षाओं में एक और महत्वपूर्ण बात यह भी सामने आई है कि बड़ी संख्या में उम्मीदवार परीक्षा देने पहुंचते ही नहीं। पिछले वर्षों के आंकड़ों के अनुसार औसतन 35-40 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहते हैं। दरअसल कई छात्र एक साथ अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन कर देते हैं। बाद में तैयारी की स्थिति, परीक्षा केंद्र की दूरी या अन्य कारणों से वे परीक्षा नहीं देते। इससे वास्तविक प्रतिस्पर्धा का स्वरूप कुछ अलग हो जाता है। हालांकि गंभीर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए मुकाबला अब भी बेहद कठिन बना रहता है।

अब कुल 156 पद–आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा-2026 को लेकर संशोधित विज्ञप्ति जारी की। जारी शुद्धिपत्र के अनुसार विभिन्न विभागों में पदों की संख्या को संशोधित किया है। अब मुख्य भाग 87 प्रतिशत का रिक्ति विवरण 140 और प्रावधिक (प्रोविजनल) भाग 13 प्रतिशत का रिक्ति विवरण 16 है। इस तरह राज्य सेवा परीक्षा-2026 के लिए कुल पदों की संख्या 140 प्लस 16 कुल 156 है। आयोग ने कहा है कि विज्ञापन की शेष शर्ते पूर्ववत रहेंगी। विभिन्न विभागों में डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उप अधीक्षक, वित्त विभाग, सहायक संचालक, नायब तहसीलदार सहित अन्य प्रशासनिक पदों पर भर्ती की जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को नवीन संशोधित पद विवरण के आधार पर ही परीक्षा प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

पिछले वर्षों में कम हुए पद

प्रारंभिक परीक्षा देने वाले मुकेश ने बताया पिछले कई वर्षों से राज्य सेवा परीक्षाओं में पदों की संख्या लगातार कम रही है। आंकड़ों पर नजर डालै तो वर्ष 2020 में 260 पद, 2021 में 290 पद और 2023 में केवल 229 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। 2024 में यह संख्या घटकर 110 तक पहुंच गई थी। ऐसे में बड़ी संख्या में युवाओं का भरोसा राज्य सेवा परीक्षा से कम होता दिखाई दे रहा है। परीक्षा देने वाले मयूर चौहान ने बताया कई अभ्यर्थियों ने तैयारी का फोकस बदलकर अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर रुख कर लिया है। राज्य सेवा परीक्षाओं में भर्ती प्रक्रिया की धीमी गति भी लंबे समय से विवाद का विषय रही है। कई मामलों में चयन सूची जारी होने और नियुक्ति मिलने में काफी समय लग जाता है। कुछ भर्तियां तो न्यायालय तक पहुंच गई। राज्य सेवा परीक्षा-2019 से जुड़ी नियुक्तियों में देरी को लेकर कई अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद आयोग और शासन दोनों को कई बार सफाई देना पड़ी। परीक्षा समय पर हो, परिणाम जल्दी घोषित हों और नियुक्ति प्रक्रिया पारदशी व तय समय सीमा में पूरी की जाए, तभी युवाओं का विश्वास दोबारा मजबूत होगा।

आसान नहीं सफलता हासिल करना–सूत्रों की माने तो आवेदन कम होने के बावजूद प्रतिस्पर्धा अप भी बेहद कठिन बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार इस बार एक पद के लिए औसतन 860 उम्मीदवार मैदान में हैं। पिछले महीने आयोग की ओर से राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा हुई। इसके बाद 7 से 12 सितंबर तक राज्य सेवा मुख्य परीक्ष-2026 प्रस्तावित है। परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सफलता हासिल करना आसान नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।